

CERTIFICATE IN GUIDANCE (CIG)

Term-End Examination

June, 2019

03032

**NES-104 : GUIDING SOCIO-EMOTIONAL
DEVELOPMENT OF CHILDREN**

Time : 3 hours

Maximum Weightage : 70%

Note : All questions are compulsory. All questions carry equal weightage.

1. Answer the following question in about 1000 words :

Discuss the developmental needs at late childhood and also principles of dealing with their social and emotional problems.

OR

Discuss the causes and symptoms of anxiety and fear among children, suggesting steps to prevent such disorders at home and in school.

2. Answer the following question in about 1000 words :

Discuss the therapeutic interventions that could be used while addressing the needs of children with emotional problems.

OR

Discuss the role of play as a remedial measure in helping children with different problems, elaborating the basic principles that are to be kept in mind during such process.

3. Answer any **four** of the following questions in about 250 words each :
- (a) What do you mean by conversion syndrome ? Suggest measures to help a child who has this problem.
 - (b) List the steps that can be taken in behavioural analysis.
 - (c) What are the fluency problems in children ? Describe briefly the types and causes.
 - (d) Explain the importance of positive self-concept for children disabled.
 - (e) Discuss the attitude of parents towards disabled children.
 - (f) Discuss the constitutional provisions to help the SC/ST and other economically deprived sections of society.
-

मार्गदर्शन में प्रमाण-पत्र (सी.आई.जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2019

एन.ई.एस.-104 : बच्चों के सामाजिक-संवेगात्मक विकास में
मार्गदर्शन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम भारिता : 70%

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में दीजिए :
उत्तर बाल्यावस्था की विकास संबंधी आवश्यकताओं और उनकी सामाजिक तथा संवेगात्मक समस्याओं के समाधान के सिद्धांतों की भी चर्चा कीजिए।

अथवा

बच्चों में चिन्ता और भय के कारणों और लक्षणों की चर्चा कीजिए और घर पर तथा विद्यालय में ऐसे विकारों की रोकथाम के लिए उपाय सुझाइए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 1000 शब्दों में दीजिए :
संवेगात्मक समस्याओं वाले बच्चों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए जिन चिकित्सीय हस्तक्षेपों (उपचारों) का प्रयोग किया जा सकता है, उनकी चर्चा कीजिए।

अथवा

विभिन्न समस्याओं वाले बच्चों को उनकी समस्याओं को हल करने में मदद के लिए उपचारी उपाय के रूप में खेल की भूमिका की चर्चा कीजिए और इस प्रक्रिया के दौरान ध्यान रखने योग्य आधारभूत सिद्धांतों का विस्तार में वर्णन कीजिए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) आक्षेप संलक्षण से आप क्या समझते हैं ? इस समस्या से ग्रस्त बच्चे की मदद के लिए उपाय सुझाइए ।

(ख) व्यवहार विश्लेषण में उठाए जा सकने वाले कदमों को सूचीबद्ध कीजिए ।

(ग) बच्चों में वाक् प्रवाह संबंधी समस्याओं की जानकारी दीजिए । इसके प्रकारों और कारणों का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

(घ) अशक्त बच्चों के लिए सकारात्मक स्व-अवधारणा के महत्त्व की व्याख्या कीजिए ।

(ङ) अशक्त बच्चों के प्रति माता-पिता की मनोवृत्ति की चर्चा कीजिए ।

(च) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और समाज के अन्य आर्थिक रूप से वंचित वर्गों की मदद के लिए सांविधानिक प्रावधानों की चर्चा कीजिए ।